शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

विषय : एम.फिल्. (हिंदी) जून 2009 पासून लागू

प्रश्नपत्र कमांक–1
अनुसंधन की प्रविधि और प्रकिया

आध्यापन– जून 2009 से
परीक्षाएँ– एप्रिल 2010 से
उद्देश– 1)अनुसंधान की प्रविधि से परिचित कराना ।
2)अनुसंधान की प्रक्रिया का बोध कराना ।
3)अनुसंधान के भेद एवं पध्दतियों से परिचित कराना ।
4)वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक पध्दति से अनुसंधान करने के लिए सक्षम बनाना ।
5)साहित्यिक अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से अवगत कराना ।
6)प्रबंध–लेखन विधि से परिचित कराना ।

(क) अनुसंधान की प्रविधि
1)अनुसंधान स्वरुप, महत्त्व एवं व्याप्ति ।
2)अनुसंधान और आलोचनाः साम्य और भेद ।
3)विषय–चयन एवं प्रबंध की रुपरेखा तैयार करना ।
4)अनुसंधान कार्य में प्राक्कल्पना का महत्त्व ।

(ख) अनुसंधानः भेद एवं पध्दनियाँ –
1)अनुसंधान के भेद : मौतिक, उपयोजित ।
2)अनुसंधान की पध्दतियाँः 1)ऐतिहासिक पध्दति
2)वर्णनात्मक पध्दति
3)प्रायोगिक पध्दति
4)तुलनात्मक पध्दति
5)सर्वेक्षणात्मक पध्दति

(ग) अनुसंधान प्रकिया–
1)शोधकर्ता (अनुसंधाना) के गुण ।
2)शोध–निर्देशक के गुण ।
3)शोधकर्ता एवं शोध–निर्देशक के पारस्पारिक संबंध ।
4) अनुसंधान के तंत्र एवं साधन 1)साक्षात्कार पध्दति
2)प्रश्नावली पध्दति
3)ग्रंथालय सामग्री का उपयोग
5)पाठानुसंधानः पाण्डूलिपि, पठन–विधि,काल–निर्धारण, प्रामाणिकता ।
6)शोध–प्रबंध संपादन विधिःसंपादक के गुण, संपादक का दायित्त्व ।

(घ) अनुसंधान के विविध क्षेत्र
1)विशिष्ट साहित्य विधा का अध्ययन ।
2)विशिष्ट साहित्य कृति का अध्ययन ।
3)विशिष्ट साहित्यकार का अध्ययन ।
4)विशिष्ट साहित्यक वाद का अध्ययन ।
5)विशिष्ट कालखंड का अध्ययन ।
6)तुलनात्मक अध्ययन ।
7)अनुदित साहित्य का अध्ययन

(ड) प्रबंध–लेखन प्रविधि–

1)शोध सामग्री संकलन–विधि एवं सामग्री संकलन में कार्ड पध्दति का महत्त्व ।
2)उध्दरण, पाद–टिप्पणी ।
3)संदर्भ–ग्रंथ सूची, परिशिष्ट ।
4)कोष्ठक, सांखिकी की जानकारी ।
5)उपसंहार, प्रबंध का टंकलेखन आदि ।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1	हिंदी अनुसंधान का स्वरुप	डॉ.भ.ह.राजूरकर,डॉ.राजमल बोरा ।
2	अनुसंधान का विवेचन	डॉ.उदयभानु सिंह ।
3	अनुसंधान की प्रक्रिया	डॉ.सावित्री सिन्हा, डॉ.विजयेंद्र स्नातक
4	शोध–प्रविधि	डॉ.विजयमोहन शर्मा ।
5	नवीन शोध –विज्ञान	डॉ.तिलकसिंह ।
6	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	डॉ.चंद्रभान रावत, डॉ.रामकुमार खण्डेलवाल ।
7	शोधः तंत्र और सिध्दांत	डॉ.शैलकुमारी ।
8	हिंदी शोध तंत्र की रुपरेखा	डॉ.मनमोहन सहगल ।
9	पाठ संपादन के सिध्दांत	डॉ.कन्हैयासिंह ।
10	पाठालोचन : सिध्दांत और प्रक्रिया	डॉ.निखिलेश कांति ।
11	भारतीय पाठालोचन की भूमिका	डॉ.एस.एम.कत्रे (अनुवादक–डॉ.उदयनारायण तिवारी)
12	तुलनात्मक अनुसंधालन एवं उसकी समस्याएँ	सं.डॉ.एस.गुलाम रसूल ।
13	शोध और सिध्दांत	डॉ. नगेंद्र

प्रश्नपत्र का स्वरुप

सूचना–निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

प्रश्न–1	‘क’	विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	25
प्रश्न–2	‘ख’	विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	25
प्रश्न–3	‘ग’	विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	25
प्रश्न–4	‘घ’	विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	25
प्रश्न–5	‘ड’	विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	25
प्रश्न–6		पूरे पाठ्क्रम पर टिप्पणियॉं (चार में से दो)	25

प्रश्नपत्र क्र. 2 (हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि)

उद्देश्य –

1. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य से संबंधित विभिन्न मतवाद से परिचित कराना।
3. राष्टीय स्वातंत्र्य आंदोलन में हिंदी के योगदान को समझाना।
4. साहित्य के अंतर्विद्यापरक अंगों से परिचित कराना।
5. वैचारिक दृष्टि से रचना के मूल्यांकन के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।

पाठ्यविषय –

(क) 1. विचारधारा और साहित्य

2. विभिन्न धर्मों की विचारधाराएँ और विविध धर्मांदोलन।

3. राष्टीय स्वातंत्र्य आंदोलन और हिंदी साहित्य।

(ख) 1. मध्ययुगीन बोध के विविध आयाम।

2. मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य।

3.परंपरा और आधुनिकता (हिंदी साहित्य के परिप्रेक्ष्य में)

(ग) हिंदी साहित्य से संबंधित विशिष्ट मतवाद –

1. गांधीवाद 2. मार्क्सवाद

3. मनोविश्लेषणवाद 4. अस्तित्ववाद

5. उत्तर आधुनिकतावाद

(घ) भारतीय सांविधानिक व्यवस्था – लोकतंत्र,धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, दलित चेतना, स्त्री–विमर्श, आँचलिकता और महानगर बोध (साहित्य के परिप्रेक्ष्य में)

(ड़) साहित्य का अंतरर्विद्यापरक अध्ययन –

1. साहित्य का समाजशास्त्र 2. इतिहास दर्शन

3. मनोवैज्ञानिक अध्ययन 4. सांस्कृतिक अध्ययन

5. भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन –

प्र. 1. 'क' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 2. 'ख' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 3. 'ग' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 4. 'घ' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 5. 'ड़' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 6. पूरे पाठ्यक्रम पर टिपणियाँ (चार में से दो)	25

विशेष सूचना – (1) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

(2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. वर्ग, विचारधारा एवं समाज – एन्. के. महला और राजेंद्र गुप्त
2. हिंदी साहित्य और स्वाधीनता संघर्ष – डॉ. धर्मपाल सरीक
3. हिंद साहित्य में प्रतिबिंबित चिंतन प्रवाह – डॉ. सुधाकर गोकाककर
4. विमर्श के विविध आयाम – डॉ. अर्जुन चव्हाण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी साहित्य का दार्शनिक परिपार्श्व – भगत/जोशी/पाटील
6. अस्तित्ववाद और साहित्य – श्यामसुंदर मिश्र
7. साहित्य, समाज, संस्कृति – डॉ. गिरधर राठी
8. साहित्यिक निबंध – राजनाथ शर्मा
9. वर्तमान के दर्पण में हिंदी साहित्य – डॉ. इंद्रपाल सिंह 'इंन्द्र'
10. हिंदी साहित्येतिहास : परंपरागत दृष्टिकोण एवं नए सिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
11. हिंदी साहित्य में दलित चेतना – डॉ. आनंद वास्कर
12. बच्चन के साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. निर्मल सारड़ा
13. 'जैनेंद्र कुमार' चिंतन और सृजन – डॉ. मधुरिमा कोहली
14. समीक्षा, संदर्भ और दिशाएँ – डॉ. पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'
15. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
16. हिंदी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चंद्रभानू सोनवणे
17. उत्तर आधुनिक वाद – सुधीश पचौरी
18. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमनराजे
19. आधुनिक हिंदी निबंध – डॉ. सुरेशचंद्र गुप्त

एम्. फिल. (हिंदी)

तृतीय प्रश्नपत्र

वैकल्पिक विषय : (ख) उपन्यास विधा

उद्देश्य –

1. हिंदी उपन्यास की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2. हिंदी उपन्यास विकास से अवगत कराना।
3. हिंदी उपन्यास से संबंधित विभिन्न प्रभावों को स्पष्ट कराना।
4. सैद्धांतिक और वैचारिक दृष्टि से उपन्यास के मूल्यांकन करने के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।
5. हिंदी उपन्यास में प्रतिपादित विभिन्न नैतिक मूल्यों से अवगत कराना।

पाठ्य विषय –

(अ) (1) उपन्यास का शिल्प विधान।

(2) हिंदी उपन्यास साहित्य के विकास के चरण ।

(3) हिंदी उपन्यास शिल्प के नए प्रयोग।

(4) हिंदी उपन्यासों पर विविध वादों का प्रभाव – गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

(5) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास में आंचलिकता, दलित चेतना, स्त्री विमर्श, महानगर बोध, आधुनिक बोध।

अध्ययनार्थ रचनाएँ –

(आ) (1) प्रेमचंद – 'गोदान' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(2) राजेंद्र यादव – 'उखड़े हुए लोग' राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

(3) संजीव – 'सूत्रधार' राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

(4) मैत्रेयी पुष्पा – 'चाक' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(5) ममता कालिया – 'अंधेरे का ताला' वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा।
2. हिंदी उपन्यास : पहचान परख – डॉ. इंद्रनाथ मदान।
3. उपन्यास तत्त्व एवं रूपविधान – डॉ. श्रीनारायण अग्निहोत्री।
4. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ. सत्यपाल चुध ।
5. हिंदी उपन्यास में चरित्र चित्रण का विकास – डॉ. रणबीर रांग्रा।
6. हिंदी उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवड़ेकर।
7. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष – डॉ. अर्जुन चव्हाण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. आपात्कालोत्तर हिंदी ग्रामांचलित उपन्यासों की मीमांसा – डॉ. वसंत सुर्वे, साहित्यसागर प्रकाशन, कानपुर।
9. हिंदी उपन्यास : बदलते संदर्भ – डॉ. शशिभूषण सिंहल।
10. आधुनिक हिंदी उपन्यास – सं. भीष्म साहनी।
11. राजेंद्र यादव के उपन्यासों में मध्यवर्गीय जीवन – डॉ. अर्जुन चव्हाण,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास –डॉ. गीता।
13. हिंदी उपन्यास सृजन और प्रक्रिया – डॉ. शिवबहादुर सिंह भदौरिया।
14. उपन्यास सिद्धांत और संरचना – रवींद्रकुमार जैन।
15. हिंदी उपन्यास : तीन दशक – डॉ. राजेंद्र प्रताप।
16. सामाजिक यथार्थ और कथाकार संजीव – डॉ. शहाजहान मणेर, श्रुति पब्लिकेशन, जयपुर।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन –

प्र. 1. 'गोदान' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 2. 'उखड़े हुए लोग'पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 3. 'सूत्रधार' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 4. 'चाक' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 5. 'अंधेरे का ताला' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 6. 'अ' विभाग पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	25

सूचना :– उपर्युक्त छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं।

एम्.फिल. (हिंदी)

तृतीय प्रश्नपत्र

वैकल्पिक विषय – (ग) कहानी विधा

उद्देश्य –

1. हिंदी कहानी के शिल्प से अवगत कराना।
2. हिंदी कहानी के विकास से परिचित कराना।
3. विविध वादों से प्रभावित हिंदी कहानी का बोध कराना।
4. हिंदी कहानी में प्रतिनिधिक चेतनाओं के विविध आयामों को स्पष्ट कराना।
5. हिंदी कहानी में प्रयुक्त शिल्प के विविध प्रयोगों को समझ लेना।

पाठ्यविषय –

(अ) (1) कहानी का शिल्प विधान।

(2) हिंदी कहानी शिल्प के विविध प्रयोग।

(3) हिंदी कहानी पर विविध वादों का प्रभाव – गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

(4) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी में आंचलिकता, दलित चेतना, राजनीतिक चेतना, स्त्री विमर्श, आधुनिकबोध, महानगरबोध।

(5) हिंदी कहानी साहित्य के विकास के चरण – नई कहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी, समकालीन कहानी।

अध्ययनार्थ रचनाएँ –

(आ) (1) निर्मल वर्मा – 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।

(2) कमलेश्वर – 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।

(3) महीप सिंह – 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।

(4) कुसुम अंसल – 'धुएँ की ईमानदारी' (कहानी संग्रह), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

(5) जया जादवानी –'उससे पूछो' वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कहानी का रचना विधान – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
2. हिंदी कथा साहित्य पूर्व परिच्छेद – राजेंद्र पंजियार।
3. हिंदी कहानी के आंदोलन– उपलब्धियाँ और सीमाएँ।
4. हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार–डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना।
5. हिंदी कहानी समीक्षा और संदर्भ – डॉ. विवेकीराय।
6. नयी कहानी के विविध प्रयोग–पाण्डेय शशीभूषण 'शीतांशु'
7. कहानी नयी कहानी–नामवरसिंह।
8. महीप सिंह की कहानी कला और समकालीन जीवन – डॉ. हनुमंत शेवाले, अन्नपूर्णा प्रकाशन,

कानपुर।

9. हिंदी कहानी और नारी विमर्श – डॉ. शोभा पवार (निंबालकर), मानसी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
10. समकालीन कहानी युगबोध का संदर्भ – डॉ. पुष्पपाल सिंह।
11. आज की कहानी – विजयमोहन सिंह।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन –

प्र. 1	निर्मल वर्मा की 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।	25
प्र. 2	कमलेश्वर की 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।	25
प्र. 3.	महीप सिंह की 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।	25
प्र. 4.	धुएँ की ईमानदारी (कहानी संग्रह) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।	25
प्र. 5	'उससे पूछो' (कहानी संग्रह) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।	25
प्र. 6.	'अ' विभाग पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	25

सूचना – उपर्युक्त छह् प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

एम्.फिल. (हिंदी)

तृतीय प्रश्नपत्र

वैकल्पिक विषय – (घ) नाटक विधा

उद्देश्य –

1. हिंदी नाटक के शिल्प से अवगत कराना।
2. हिंदी नाटक के विकास से परिचित कराना।
3. हिंदी नाटक पर विविध वादों के प्रभाव को स्पष्ट कराना।
4. हिंदी नाटकों में प्रतिनिधिक चेतनाओं के विविध आयामों को रेखांकित कराना।
5. हिंदी नाटकों में प्रयुक्त शिल्प के विविध प्रयोगों से अवगत कराना।

पाठ्यपुस्तक विषय –

(अ) (1) नाटक का शिल्प विधान।

(2) हिंदी नाटक : शिल्प के विविध प्रयोग।

(3) हिंदी नाटक साहित्य के विकास के चरण।

(4) हिंदी नाटक और रंगमंच।

(5) हिंदी नाटक पर विविध वादों का प्रभाव – गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

(6) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में दलित चेतना, राजनीतिक चेतना, स्त्री विमर्श, आधुनिकबोध, महानगरबोध।

अध्ययनार्थ नाटक –

(आ) (1) मोहन राकेश – 'लहरों के राजहंस' राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

(2) शंकर शेष – 'एक और द्रोणाचार्य' किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

(3) असगर वजाहत – 'जिस लाहौर नई देख्या...' वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

(4) मुद्राराक्षस – 'मरजीवा' राजेश प्रकाशन, दिल्ली।

(5) सुरेंद्र वर्मा – 'आठवाँ सर्ग' राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. आधुनिक हिंदी नाटक : एक यात्रा दशक – डॉ. नरनारायण राय।
2. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा।
3. एब्सर्ड नाट्य परंपरा – एक सिंहावलोकन – रामसेवक सिंह ।
4. प्रयोगशील नाटककार डॉ. शंकर शेष– मधुकर हसमनीस, आशा प्रकाशन सावली, इस्लामपुर।
5. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक विकास – डॉ. अज्ञात।
6. प्रसाद युगीन हिंदी नाटक–डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल।
7. हिंदी के प्रतीक नाटक–डॉ. रमेश गौतम।
8. हिंदी गीति नाट्य – कृष्ण सिंहल।
9. हिंदी नाटक:पुनर्मूल्यांकन – डॉ. जयदेव तनेजा।

10. हिंदी नाटक : सिद्धांत और समीक्षा – रामगोपालसिंह चौहान।
11. मुद्राराक्षस के असंगत नाटकःएक अनुशीलन – प्रा. जयवंत जाधव, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।
12. हिंदी के नए नाटकों में प्रयोगतत्व – पाण्डेय विनय भूषण, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. नरेंद्र मोहन

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्र. 1 ' लहरों के राजहंस ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 2 'एक और द्रोणाचार्य ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 3 ' जिस लाहौर नई देख्या...,' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 4. ' मरजीवा' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 5. ' आठवाँ सर्ग' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र. 6. 'अ' विभाग पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	25

सूचना – उपर्युक्त छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

एम. फिल. प्रश्नपत्र – III

वैकल्पिक विषय – (ङ) आधुनिक हिंदी कविता

उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता के विकास का अध्ययन कराना ।
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया के समसमायिक परिवेश का अध्ययन कराना ।
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया के हर दौर की काव्य प्रवृत्तियॉं अथवा विशेषताओं का अध्ययन कराना ।
- आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न काव्य रूपों का अध्ययन कराना ।
- विशिष्ट आधुनिक कवियों की काव्यकृतियों अथवा कविताओं का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को आधुनिक कवियों तथा उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना ।
- छात्रों को पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के महत्त्व एवं उनके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना ।

I - पाठयक्रम

i). **भारतेंदु कालीन हिंदी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं ,भारतेंदु मंडल के कवि (सामान्य परिचय) ,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

ii) **म.प्र. द्विवेदी युगीन हिंदी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , म. प्र. द्विवेदी मंडल के कवि (सामान्य परिचय) ,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

iii) a) **छायावादी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय) ,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

b) **उत्तर छायावादी कविता** : काव्यधाराएँ

i) **हालावादी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं ,प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय) ,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

ii) **राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक काव्यधारा** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय),विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

iii) **हास्य –व्यंग्य काव्यधारा** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं, प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय) ,,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

iv) **प्रगतिवादी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय) ,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

v) **प्रयोगवादी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय),विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

vi) **नई कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय) ,विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

vii) **समकालीन कविता / साठोत्तरी कविता** : कालावधि ,परिवेश अथवा परिस्थितियॉं , प्रमुख कवि तथा कृतियॉं (सामान्य परिचय) , विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियॉं ।

II अध्ययनार्थ कृतियॉं :

1. महादेवी : प्रतिनिधि कविताएँ : महादेवी वर्मा , भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली 2008 .
2. अपरा : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली.
3. नींद के बादल : केदारनाथ अग्रवाल , परिमल प्रकाशन , इलाहाबाद .
4. मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ : मुक्तिबोध , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .
5. वाजश्रवा के बहाने : कुंवरनारायण , भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली 2008

प्रश्नपत्र का स्वरूप : **कुल अंक : 100**

प्र . 1 .	महादेवी : प्रतिनिधि कविताए' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र . 2	' अपरा ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र . 3	' नींद के बादल ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र . 4	मुक्तिबोध ' प्रतिनिधि कविताएँ ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र . 5	' वाजश्रवा के बहाने ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	25
प्र . 6 .	'I ' विभाग ' पर टिप्पणियॉं (चार में से दो)	25

सूचना :– उपयुक्त छः प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली – 2009

1 आधुनिक हिंदी कविता में विचार – बलदेव वंशी
2 आधुनिक हिंदी स्वच्छंदतावादी ,कविता में सार्वभौमिकता – तनुजा मुजुमदार
3 आधुनिक प्रबंध काव्य : संवेदना के धरातत्व – सं . विनोद गोदरे
4 भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव : डॉं नगेंद्र
5 भारतीय काव्य विमर्श – डॉं . विश्वंभरनाथ उपाध्याय
6 भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद – प्रेमशंकर
7 भारतेंदु मंडल के समांतर और आपूरक मुरादाबाद मंडल –हरमोहन लाल सूद
8 भाषा , युगबोध और कविता : डॉं . रामविलास शर्मा
9 हिंदी काव्य में प्रगतिवाद और अन्य निबंध : विजय शंकर मल्ल
10 कल्पना और छायावाद – केदारनाथ सिंह
11 कविता और समय – अरूण कमल
12 कविता का दूसरा पाठ और प्रसंग – भगवत रावत
13 कविता के सम्मुख – गोविंद प्रसाद
14 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिंब – चंचल चौहान
15 नई कविता के प्रबंध काव्य शिल्प और जीवन दर्शन – उमाकांत गुप्ता
16 नई कविता के मिथक काव्य –रश्मि कुमार
17 नई कविता : निराला ,अज्ञेय और मुक्तिबोध – विद्या सिन्हा
18 नई कविता की चिंतन भूमि – उषा चौहान

19 समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में – शशि शर्मा
20 समकालीन कविता का बीजगणित – कुमार कृष्ण
21 साठोत्तरी हिंदी कविता में जनवादी चेतना – नरेंद्र सिंह
22 तार सप्तक के कवियों की समाज चेतना – डॉ. राजेंद्र प्रसाद
23 मिथलीय चेतना :समकालीन संदर्भ – मनोरमा मिश्र
24 मिथकता से आधुनिकता तक –रमेश कुंतल मेघ
25 मिथक और आधुनिक कविता – शंभुनाथ (नॅशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली 110 002)
26 कुँवंरनारायण ,–संसार , : संपादक ,यतींद्र मिश्र.
27 कुँवरनारायण , – उपस्थिति ,संपादक ,यतींद्र मिश्र.

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन – 2008.

1 कविता : पहचान का संकट – नंदकिशोर नवत
2 कवि परंपरा : तुलसी से त्रिलोचन – प्रभाकर क्षोत्रिय

राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली – 2007

1 नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
2 छायावाद – नामवर सिंह
3 ' निराला ' की साहित्य साधना भाग 1,2,3 – रामविलास शर्मा
4 समकालीन काव्य यात्रा – नंदकिशोर नवल
5 मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल
6 कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
7 ' कामायनी ' एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध

राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली –– 2000

1 समकालीन हिंदी कविताई – ए अरविंदाक्षण
2 मुक्तिबोध की कविताई – अशोक चक्रधर
3 कविता का गल्प – अशोक बाजपेयी
4 कविता का जनपद – अशोक बाजपेयी
5 आधुनिक हिंदी कविता में बिंबविधान – केदारनाथ सिंह
6 समकालीन कविता और कुलीनतावाद – अजय तिवारी
7 नई कविता की मुक्तधारा – विद्यानिवास मिश्र (सं)
8 निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ – नंदकिशोर नवल
9 आद्यबिंब और नई कविता – कृष्णमुरारी मिश्र
10 कविता में विशेषण : आधुनिक संदर्भ – देवेंद्र शुक्ल
11 समकालीन लम्बी कविता की पहचान. डॉ. युध्दवीर धवन
12 'निराला '–सं. राजेश्वर गुरू
13 निराला और मुक्तिबोध चार लम्बी कविताएँ – नंदकिशोर नवल

14 'निराला '– रामविलास शर्मा

15 मुक्तिबोध की काव्यसृष्टि –डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण

तक्षशिला प्रकाशन ,नई दिल्ली – 2008

1 छायावाद और उसके कवि – डॉ. इंद्रराज सिंह

लोकभारती प्रकाशन – 2008

1 कवि निराला ; आ. नंददुलारे बाजपेयी ,

2 नयी कविता (सैद्धांतिक पक्ष),} सं पा. जगदीश गुप्त विजयदेस नारायण साही , रामस्वरूप चतुर्वेदी

3 नयी कविता (विचार पक्ष), } ––––– " –––––

4 नयी कविता(काव्य पक्ष), } ––––– " –––––

5 काव्य भाषा पर तीन निबंध , डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी ,.

6 छायावादी काव्य का व्यावहारिक सौदर्य शास्त्र , डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

7 हिंदी कविता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य ,डॉ रामकमल राय

8 हिंदी काव्य का इतिहास , डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

9 आधुनिक कविता यात्रा , डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी ..

10 निराला की कविताएँ और काव्य भाषा , डॉ रेखा खरे

11 नयी कविताएँ एक साध्य , डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी ..

12 समकालीन कविता : एक विश्लेषण ; डॉ अशोक सिंह.

13 प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ , डॉ. रामविलास शर्मा ,विनोद पुस्तक मंदिर , आग्रा

14 नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध विश्वभारती प्रकाशन , नागपुर.

15 प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड , सरस्वती पुस्तक सदर , आग्रा

16 हिंदी की प्रगतिशील कविता , डॉ. लालन राय, हरियाना साहित्य अकादमी , चंदीगढ.

17 समकालीन कवि तथा काव्य : डॉ. रणधीर

किताबघर प्रकाशन ,नयी दिल्ली ,

1 नवजागरण और महादेवी वर्मा का रचना –कर्म , कृष्णदत्त पालीवाल

2 स्त्री –विमर्श के स्वर कृष्णदत्त पालीवाल